

एग्रीशूोर योजना

स्रोत: पी.आई.बी

हाल ही में केंद्रीय कृषि एवं कसिन कल्याण मंत्री ने नई दलिली में एग्रीशूोर/AgriSURE (स्टार्टअप और ग्रामीण उद्यमों के लिये कृषिकोष/Agri Fund for Start-ups & Rural Enterprises) योजना का अनावरण किया, जो भारत के कृषि परदृश्य को बदलने में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

- इस कार्यक्रम में एग्रीशूोर ग्रीनाथॉन पुरस्कार भी प्रदान किया गया, जिसमें शीर्ष तकनीक-संचालित कृषि स्टार्टअप्स को मान्यता दी गई।
- एग्रीशूोर 750 करोड़ रुपए का एक अभिनव मशरूति पूंजी कोष है, जो भारतीय परतभूति एवं वनिमिय बोर्ड के साथ श्रेणी II वैकल्पिक नविश कोष (AIF) के रूप में पंजीकृत है, जिसमें भारत सरकार (250 करोड़ रुपए), राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) (250 करोड़ रुपए) और नजी नविशकों (250 करोड़ रुपए) का योगदान है।
 - इसका उद्देश्य प्रौद्योगिकी-संचालित, उच्च-जोखमि, उच्च-प्रभाव वाले उपकरणों पर ध्यान केंद्रित करते हुए एग्रीशूोर को कृषि और ग्रामीण स्टार्ट-अप इकोसिस्टम में विकास को बढ़ावा देने तथा नवाचार को बढ़ावा देना है।
- एग्रीशूोर ग्रीनाथॉन पुरस्कारों ने कृषि-मूल्य शृंखला में कसिनों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिये तकनीक-केंद्रित समाधान विकसित करने वाले सबसे नवीन स्टार्ट-अप्स को मान्यता दी।
 - वजिताओं में 2000 स्टार्ट-अप्स में से ग्रीनसैपथि (वजिता), कृषिकांत (उपवजिता) और एम्ब्रोनक्स (द्वितीय उपवजिता) शामिल हैं, जिनकी कुल पुरस्कार राशा 6 लाख रुपए है।
- कृषि-तकनीक से संबंधित पहल: डिजिटल कृषिमिशन (DAM), एग्रीसटैक और एकीकृत कसिन सेवा मंच।

और पढ़ें: [कसिनों की आय बढ़ाने हेतु 7 नई योजनाएँ](#)